बिजली सप्लाई शुरू, ट्रायल रन होगा जल्द

■ वरिष्ठ संवाददाता, मुंबई

रविवार को मुंबई के पहले भूमिगत मेट्रो मार्ग पर ट्रेन चलाने के लिए आवश्यक बिजली की सप्लाई आरंभ कर दी गई। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएमआरसीएल) के अनुसार मेट्रो-3 के ट्रायल रन के लिए डाउन लाइन पर एसी ऑवरहेड कॉन्टेक्ट सिस्टम (ओसीएस) को चार्ज करने की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण की गई। कॉरिडोर के सरीपुत नगर से मरोल नाका तक के रूट पर 25केवी बिजली की सप्लाई की गई।

पहली भूमिगत मेट्रो-3 के लिए 8 डिब्बों की रेक हो रही तैयार

- आंध्रप्र देश के श्रीसिटी से मेट्रो की आठ डिब्बों की रेक मुंबई पहुंच चुकी है।
- मौजूदा समय में रेक के पार्ट जोड़े जा रहे हैं।
- पूरे रूट का काम नहीं होने की वजह से एमएमआरसीएल ने शुरुआती चरण में 3 किमी रूट पर मेट्रो को दौड़ाने का निर्णय लिया है।
- सरीपुत नगर से मरोल नाका के बीच ट्रायल रन की शुरुआत होगी।

ट्रायल रन शुरू करने के लिए 3 किमी के रूट पर उपकरण लगाने का काम लगभग पूरा हो गया है। रविवर से इस रूट की डाउन लाइन पर बिजली की आपूर्ति भी शुरू हो गई है। आगामी कुछ दिन में अप लाइन पर भी बिजली की सप्लाई शुरू कर दी जाएगी। सूत्रों के अनुसार, एमएमरआसीएल 15 अगस्त को मेट्रो रेक की पहली झलक जनता को दिखा सकती है।

- पहले चरण के तहत मुंबई पहुंचे मेट्रो के 4 डिब्बों की असेंबलिंग का काम तेजी से किया जा सकता है।
- ट्रायल रन शुरू करने के लिए अब केवल मेट्रो 8 रेक असेंबल होने का इंतजार है।
- 10 से 15 दिन के भीतर रेक तैयार कर ली जाएगी।

राज्य में सत्ता परिवर्तित होने के साथ ही आरे में कारशेड का काम भी शुरू हो गया है। इसके लिए उपकरण पहुंचाए जाने लगे हैं। कोलाबा-बांद्रा-सिप्ज के बीच 33.3 किमी लंबे मेट्रो-3 कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। पूरे मार्ग पर 98.9 फीसदी तक टनल तैयार हो चुका है। पूरे कॉरिडोर का सिविल वर्क भी करीब 84 फीसदी हो गया है। मार्ग बनाने के साथ ही ट्रैक बिछाने का काम भी तेजी से हो रहा है। एमएमआरसीएल के मुताबिक, रूट पर 32 फीसदी तक ट्रैक बिछ चुका है। मेट्रो के संचालन के लिए जरूरी 38 फीसदी सिस्टम लग चुका है। अब तक 82.06 फीसदी तक स्टेशन बन चुके हैं।